

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–230/2026

कृषि को प्राथमिकता देकर ही विकसित भारत का सपना होगा साकार– राज्यपाल

पटना 27 अक्टूबर, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने बिहार लोक भवन में इन्फाइनाइट न्यू इंडिया विकसित भारत@2047 द्वारा आयोजित 'किसान सम्मान एवं कृषि विकास विमर्श' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब कृषि और किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

राज्यपाल ने 27 अक्टूबर के ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1947 में इसी दिन भारतीय सेना की पहली टुकड़ी श्रीनगर पहुँची थी। उन्होंने 'जय जवान, जय किसान' के नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि बाद में इसमें 'जय विज्ञान' भी जुड़ा। जवान, किसान और विज्ञान देश की प्रगति के प्रमुख आधार हैं।

उन्होंने चीन के कृषि विकास का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ वर्ष 1978 में आधुनिकीकरण की शुरुआत करते समय कृषि को सबसे अधिक महत्व दिया गया। किसानों को तकनीक, ऋण और जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। इससे स्पष्ट है कि देश के समग्र विकास के लिए कृषि में आत्मनिर्भरता आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भारत तेजी से आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन आने वाले 20 वर्षों तक कृषि उत्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। कृषि के साथ तकनीक, शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान को जोड़ना जरूरी है। कृषि क्षेत्र के मजबूत होने पर ही विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करना संभव होगा।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार में कृषि विकास की अपार संभावनाएं हैं। उपजाऊ जमीन, किसानों की मेहनत और सरकार के सहयोग से राज्य कृषि के क्षेत्र में नई मिसाल कायम कर सकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में अगली कृषि क्रांति का नेतृत्व करने की क्षमता है।

मखाना, लीची और आम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की कृषि उपजों की विशिष्ट पहचान है। मखाना के निर्यात में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ कृषि उत्पादों की गुणवत्ता, प्रसंस्करण और निर्यात पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देनेवाले बिहार के विभिन्न जिलों के किसानों को सम्मानित किया।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख श्री रामलाल, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो० धनंजय सिंह, आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के तकनीकी निदेशक डॉ० अब्दुल कय्यूम, पूर्व सांसद श्रीमती पुतुल सिंह आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विशेषज्ञों ने किसानों को 'कृषि : आत्मनिर्भरता से उद्यमिता की ओर' विषय पर विस्तृत जानकारी दी।

.....